वी.यू. में "तरंग–2023" युवा महोत्सव का आगाज

नानजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में 15 - 16 मई, दो दिवसीय युवा महोत्सव **तरंग–23** पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम की श्रृंखला के तहत् जबलपुर वेटनरी कॉलेज के सभागार में माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) सीता प्रसाद तिवारी जी के मुख्य संरक्षण, प्रो. (डॉ.) के.एल.एम. पाठक, मुख्य अतिथि, पूर्व उप महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली तथा विशिष्ट अतिथि कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर प्रो. कपिल देव मिश्रा, कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, प्रो. पी.के. मिश्रा तथा अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा प्रो. राजकुमार आचार्य थे। मंचासीन मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा माँ स्वरस्वती के समक्ष दीप प्रजवलित कर शुभारंभ किया। तत्पश्चात् मंचासीन अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, शॉल एवं श्रीफल से किया गया। अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा ने स्वागत उद्बोदन प्रस्तुत किया। जिसमें उन्होने प्लेटिनम वर्ष की गौरव गाथा को प्रस्तुत किया। अपने उद्बोदन में माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर (डॉ.) सीता प्रसाद तिवारी जी ने कहा कि इन 75 वर्ष में महाविद्यालय ने बहुत आयाम स्थापित किये है जो कि प्रदेश एवं देश में ही नहीं अपितु अंतराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन किया है। इस तरह की सांस्कृतिक, साहित्यिक गतिविधियों का छात्र–छात्राओं के जीवन मे बहुत महत्व है। जो उनकी पर्सनालिटी डेवल्पमेंट एवं सर्वागीण विकास के लिए जरूरी है। मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) के.एल.एम. पाठक जी ने कहा कि ये महाविद्यालय 75 वर्ष पूर्ण कर रहा है। ये गर्व की बात है कि अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर इस महाविद्यालय ने अपनी पहचान बनाई है। युवा महोत्सव कार्यक्रम अंतर की कला को निखारते हैं तथा प्रोत्साहन मिलता हैं बढ़ चढ़ कर छात्र–छात्राओं को हिस्सा लेना चाहिए।

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय ने इस वर्ष 75 वर्ष पूर्ण किये एवं कई महत्वपूर्ण कार्य किया है। इस तरह के युवा कार्यक्रम से छात्र–छात्राओं की छुपी प्रतिभा सामने आती है। सांस्कृतिक गतिविधियों से जीवता बनी रहती है। आज के निर्माण में युवाओं का महत्पूर्ण योगदान है। उन्होनें युवाओं से आहवान किया की

अपने क्षेत्र में निष्ठा से कार्य कर इतिहास की रचना करे। कुलपति अवधेश प्रताप विश्वविद्यालय प्रोफेसर राजकुमार आचार्य ने सांस्कृतिक गतिविधियों का छात्रों के जीवन पर महत्वपूर्ण योगदान बताया की इस प्रकार के आयोजन से बौद्धिक क्षमता का भी विकास होता है। कुलपति रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय प्रोफेसर कपिल देव मिश्रा ने अपने उद्‌बोधन भाषण में कहा युवा महोत्सव कार्यक्रम संरचना का प्रतीक है तथा सांस्कृतिक संरचना से जोडता है। सब के शुभारंभ पर सरस्वती वंदना नृत्य तथा शानदार जनजातीय परब नृत्य की प्रस्तुति की गई।

युवा महोत्सव कार्यक्रम 15 मई सुबह 8:00 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमें निम्न प्रतियोगिताएं फाइन आर्ट्स, लिटररी तथा सांस्कृतिक के तहत विभिन्न विधाएं जैसे पोस्टर मेकिंग थीम इंट्रोडक्शन ऑफ चीता इन इंडिया, क्ले मॉडलिंग थीम एक्सपेंडिंग मेट्रो रेल इन इंडिया, डिबेट थीम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, माइन, मोनो एक्टिंग, स्किट की प्रतियोगिता आयोजन की गई जिसमें मत्स्य पालन महाविद्यालय जबलपुर, पशुपालन महाविद्यालय रीवा महू एवं जबलपुर के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिताओं के निर्णायक गणों की भूमिका में डॉ. स्मिता पाठक, डॉ. आहलूवालिया, डॉ. रोहित मिश्रा, कर्नल सचिन शर्मा, अमित मिश्रा, डॉ. कोष्टी एवं डॉ. शुक्ला, सुश्री आरती, आकांक्षा ठाकुर, तथा श्री संजय प्रजापति रहे ।

कार्यक्रम में मधु स्वामी, एस.एस. तोमर, डॉ. अंजनी मिश्रा, डॉ. सुनील नायक, डॉ. जीपी लखानी डॉ. अजीत सिंह, डॉ. एस.एस. कारमोरे डॉ. अकलंन जैन, सांस्कृतिक प्रभारी डॉ शोभा जावरे, लिटरेरी प्रभारी डॉ. अपरा शाही तथा फाइन आर्ट्स प्रभारी डॉ. राखी वैश, डॉ. अंजू नायक, डॉ. सोना दुबे, उक्त कार्यक्रम हेतु गठित समिति के समस्त अध्यक्ष एवं सदस्य पशुपालन महाविद्यालय के प्राध्यापक गण, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के प्राध्यापक गण, तथा जबलपुर, महू, एवं रीवा से आए प्रतिभागी तथा टीम मैनेजर की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस युवा महोत्सव की अध्यक्षता मेजबान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा तथा संयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. आदित्य मिश्रा रहे।

कुशल मंच संचालन डॉ. अमिता तिवारी द्वारा किया गया

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर